पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

प्रियंका चोपड़ा ने लगाई करवाचौथ की मेहंदी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 ■ अंक : 182 ■ शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

फ्लैट-गाला खरीदने से पहले जाँच लें

मनपा की अपील | फ्लैटधारकों की धोखाधड़ी रोकने के लिए मनपा का जागरूकता अभियान

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में अनधिकृत निर्माण की घटनाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं, और वास्तविकता यह है कि निर्दोष फ्लैटधारकों और फ्लैटधारकों के साथ धोखाधड़ी हो रही है। डेवलपर्स नियमों का पालन किए बिना इमारतों का निर्माण कर रहे हैं, और जब खरीद-बिक्री के पंजीकरण के बाद पता चलता है कि वे इमारतें अनधिकृत हैं, तो आम नागरिकों को बेदखली की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। इस पृष्ठभूमि में, उल्हासनगर मनपा ने नागरिकों से आधिकारिक अनुमति की जाँच किए बिना कोई भी लेन-देन न करने की कड़ा अपील की है।

मनपा क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण की समस्या गंभीर होती जा रही है। डेवलपर्स बिना किसी कानूनी अनुमति के सीधे निर्माण कर रहे हैं और फिर ऐसे फ्लैट या फ्लैट नागरिकों को बेच दिए जाते हैं। दुर्भाग्य से, ये लेन-देन कानूनी पंजीकरण के माध्यम से पूरे होते हैं। हालाँकि, जब यह स्पष्ट हो जाता है कि ऐसी इमारत अनधिकृत है, तो स्थानीय स्व-सरकारी निकाय या नियोजन प्राधिकरण बेदखली की कार्रवाई करता है। परिणामस्वरूप, केवल निर्दोष खरीदार ही इस कार्रवाई से प्रभावित होते हैं। मनपा के अनुसार, अधिकांश गालाधारक और फ्लैटधारक इस बात से अनजान हैं कि वे जिस इमारत में रह रहे हैं वह अनधिकृत है। ऐसी स्थिति में, उनकी गाढ़ी कमाई से खरीदी गई संपत्ति नष्ट हो जाती है और नागरिक ठगे जाते हैं।

इस पृष्ठभूमि में, उल्हासनगर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) डॉ. धीरज चव्हाण ने स्पष्ट चेतावनी जारी करते हुए नागरिकों से अपील की है कि, शहर में किसी भी अनधिकृत इमारत में फ्लैट या ब्लॉक की खरीद-बिक्री का पंजीकरण नहीं कराया जाना चाहिए। खरीदने से पहले यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इमारत के पास महानगरपालिका के नगर नियोजन विभाग से आधिकारिक अनुमति है या नहीं।

महानगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि अनधिकृत इमारतों पर बेदखली की कार्रवाई के बाद होने वाले नुकसान के लिए महानगरपालिका किसी भी तरह से ज़िम्मेदार नहीं होगी। इसलिए, नागरिकों को संपत्ति खरीदते समय सावधानी बरतनी चाहिए, अन्यथा धोखाधड़ी से बचना असंभव होगा।

नागरिकों के साथ बढ़ती धोखाधड़ी बेहद चिंताजनक

उल्हासनगर शहर में नागरिकों के साथ बढ़ती धोखाधड़ी बेहद चिंताजनक है। डेवलपर्स बिना अनुमति के निर्माण करते हैं और उसे बेचकर लाभ कमाते हैं, लेकिन अंततः इसका खामियाजा आम खरीदारों को भुगतना पड़ता है। इसलिए, हम सभी नागरिकों को स्पष्ट चेतावनी देते हैं कि कोई भी फ्लैट या प्लॉट खरीदने से पहले, महानगरपालिका के नगर नियोजन विभाग से पूछताछ करके यह सुनिश्चित कर लें कि इमारत अधिकृत है। नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना हमारी ज़िम्मेदारी है, लेकिन हमारी अपनी जागरूकता भी उतनी ही ज़रूरी है।'

-डॉ. धीरज चव्हाण,
अतिरिक्त आयुक्त, उल्हासनगर मनपा

अंबरनाथ नगराध्यक्ष का चुनाव जनता में से

■ 20 वर्षों बाद 2005 में गुलाबराव करंजुले

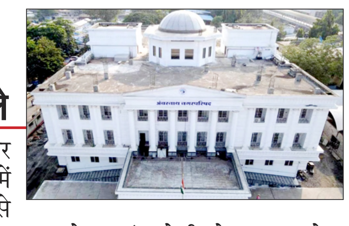

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के 2005 के चुनाव में 20 वर्ष के बाद जनता में से सीधे नगराध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा जाएगा. मंत्रालय में हुए आरक्षण लॉटरी में अंबरनाथ के लिए आरक्षण ओपन महिला प्रवर्ग हुआ है. जनता को अब नगराध्यक्ष चुनाव के लिए वोट करना है. इससे पूर्व सन 2005 में अंबरनाथ नगरपालिका के चुनाव में जनता ने वोट देकर उद्योजक गुलाबराव करंजुले के मुकाबले में विलासराव देसाई (राकांपा) एड. यशवंत जोशी (कांग्रेस) निवृत्ति दिवेकर (भारिप बहुजन महासंघ), गौतम कांबले (बहुजन समाजवादी पार्टी), रामसिंग यादव (निर्दलीय) ऐसे 6 उम्मीदवारों ने नगराध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा था. इस चुनाव में शिवसेना के गुलाबराव करंजुले पाटिल ने 28 हजार 05 वोट प्राप्त कर विजय हासिल की थी. कांग्रेस के यशवंत जोशी को 19,316 वोट, राकांपा के विलास देसाई को 21219 वोट मिले थे. अंबरनाथ के 74358 मतदाताओं ने अपने वोट का इस्तेमाल किया था. इस वर्ष ये वोट एक लाख से ज्यादा हो सकते हैं. नगराध्यक्ष महिला ओपन होने के बाद भाजपा से सुजाता भोईर, पूर्व नगराध्यक्षा पूर्णिमा कबरे की बेटी पायल कबरे, कांग्रेस से नूतन प्रदीप पाटिल, करुणा कृष्णा पाटिल, राकांपा (अप) से अश्विनी सचिन पाटिल, शिवसेना से मनिषा अरविंद वालेकर, प्रज्ञा बनसोडे, मीना वालेकर, पन्ना वारिंगे, वीणा पुरुषोत्तम उगले, अपर्णा कुणाल भोईर के नामों की चर्चा है. मुस्लिम समाज से भी महिला उम्मीदवार के नाम पर सोचा जा रहा है.

बेटे-बहु के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत

उल्हासनगर. स्थानीय विठ्ठलवाड़ी पुलिस के कार्यक्षेत्र में रहने वाले एक 79 साल के बुजुर्ग व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस से वृद्ध के दो बेटों और बहुओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है. समाचार लिखे जाने के समय सभी पुलिस की गिरफ्त से दूर है. उन पर आरोप है कि उन्होंने संपत्ति विवाद को लेकर उस बुजुर्ग और कैंसर से पीड़ित उनकी पत्नी का उत्पीड़न किया. यह जानकारी एक अधिकारी ने गुरुवार को दी. बुजुर्ग व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उनके बच्चे उनकी वह संपत्ति हड़पना चाहते हैं, जिसमें छह कमरे और दो फ्लैट शामिल हैं. उन्होंने बताया कि कुर्ला कैंप इलाके में रहने वाले बुजुर्ग व्यक्ति ने पहले उल्हासनगर अदालत में अपने दो बेटों के खिलाफ भरण-पोषण का मामला दायर किया था. जिसके कारण उन्हें घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा. पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, एक बेटे ने बुजुर्ग व्यक्ति की बीमार पत्नी को दरांती से धमकाया.

उल्हासनगर मनपा प्रशासन आलोचनाओं के घेरे में

दो साल में फिर से खोदी गई कंक्रीट की सड़क

■ **करोड़ों की बर्बादी**

उल्हासनगर। उल्हासनगर के नागरिक पहले से ही गड्ढों वाली सड़कों से परेशान हैं, वहीं अब अच्छी हालत में बनी नई कंक्रीट की सड़कों को भी खोदा जा रहा है, जिससे नागरिक नाराज़ हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बनी कैंप नंबर 5 में नेताजी चौक से प्रभात गार्डन तक की सड़क को फिर से खोदे जाने से नागरिकों ने मनपा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं.

गौरतलब है कि इस सड़क को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने दो साल पहले ही मंजूरी दी थी और करोड़ों रुपये की लागत से इसका निर्माण हुआ था। उस समय मनपा ने कहा था कि यह सड़क उच्च गुणवत्ता वाले कंक्रीट से बनी है।

मनपा प्रशासन की आलोचना

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष और पूर्व पार्षद भरत गंगोत्री ने प्रशासन की तीखी आलोचना की। गंगोत्री ने गुस्से में पूछा है कि मनपा की लापरवाही के कारण नागरिकों का पैसा बर्बाद हो रहा है। दो साल पहले बनी सड़कों को फिर से खोदना करदाताओं के पैसे से खिलवाड़ है। यह अनियोजित प्रशासन का संकेत है। शहर में विकास कार्यों में समन्वय का पूर्ण अभाव है और एक विभाग सड़क बनाकर उसे तोड़ दे, क्या यही विकास है?

हालाँकि, अब इस सड़क की खुदाई से नागरिकों में नाराजगी का माहौल है। इस काम से दुकानदारों और यात्रियों दोनों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। धूल, गंदगी, कीचड़, बाधाओं और ट्रैफिक जाम ने इलाके में दैनिक जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

मनपा का स्पष्टीकरण

मनपा सूत्रों द्वारा खुदाई का कारण सड़क के नीचे ड्रेनेज लाइन बिछाना बताया जा रहा है। इसलिए, नागरिकों ने सवाल उठाया है कि बिना योजना के सड़क का निर्माण कैसे हो गया।

पुलिस ने उड़ाई अपराधियों की नींद

■ **शराब, जुआ, ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई**

उल्हासनगर. रात के अंधेरे, शांत सड़कों और अचानक पुलिस की दबिश पुलिस ने शनिवार आधी रात से भोर तक उल्हासनगर में अपराधियों के ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जोन-4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में ऑपरेशन ऑल आउट अभियान चलाया गया।

यह कार्रवाई आपराधिक प्रवृत्तियों, अवैध शराब बिक्री, जुआ, नशीली दवाओं के सेवन, तंबाकू बिक्री और अन्य अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए की गई। संभागीय सहायक पुलिस आयुक्तों ने शहर के सभी विभागों में छापेमारी अभियान चलाया था। नागरिकों ने देर रात पुलिस टीमों के काफिले को गश्त करते, लॉज-बार, जुआ अड्डों और संदिग्ध स्थानों की जाँच करते देखा। इस अभियान में 36 अधिकारी और 166 कर्मचारियों ने भाग लिया।

शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए आधी रात तक पुलिस व्यवस्था मुस्तैद रही। ठिकानों और संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर अपराध पर अंकुश लगाया गया। इस अभियान ने अपराधियों के डर को खत्म किया है और नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है।

उल्हासनगर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाएँगे। नागरिकों को पुलिस पर भरोसा रखना चाहिए और सहयोग करना चाहिए।

- सचिन गोरे
पुलिस उपायुक्त

अभियान का विवरण

निषेध : चार मामले / चार नोटिस
जुआ : एक मामला / छह नोटिस
नशीली दवाओं का सेवन : तीन मामले / तीन नोटिस
तंबाकू : छह मामले / छह नोटिस
मध्य प्रदेश अधिनियम की धारा 142 :
दो मामले (एक गिरफ्तारी / एक नोटिस)
लॉज और बार निरीक्षण : 83 स्थानों पर निरीक्षण
हिस्ट्रीशीटर, गुंडागर्दी, निर्वासन : 105 व्यक्ति (कोई नहीं मिला)
नाकाबंदी : आठ स्थानों पर कुल 162 वाहनों का निरीक्षण।
यातायात शाखा की मदद से 51,500 जुर्माना वसूला गया
कुल गिरफ्तारियाँ : एक
कुल नोटिस : 20

सुरक्षा गार्ड ने 2 बच्चों को बांधकर बेरहमी से पीटा

कल्याण. डोंबिवली के हाई-प्रोफाइल पलावा कॉम्प्लेक्स में दो बच्चों की बेरहमी से पिटाई की गई है। वॉलीबॉल खेलते समय गेंद एक इमारत में चली गई। इसलिए उस इमारत के सुरक्षा गार्ड ने दोनों बच्चों के हाथ बांध दिए और उनकी पिटाई की। फिलहाल, मानपाड़ा पुलिस ने राजेंद्र खंडारे नाम के इस सुरक्षा गार्ड को हिरासत में ले लिया है और आगे की जाँच शुरू कर दी है।

डोंबिवली के पास हाई-प्रोफाइल पलावा सिटी में कासा बेला गोल्ड सोसाइटी है। बुधवार शाम को इसी सोसाइटी के बच्चे सोसाइटी के बगीचे में वालीबॉल खेल रहे थे। खेलते समय गेंद एक इमारत में चली गई। बच्चे गेंद लाने के लिए इमारत में गए। बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड राजेंद्र खंडारे ने दोनों बच्चों को यह कहते हुए पकड़ लिया कि तुम्हारी वजह से कारों को नुकसान पहुँचा है। फिर उसने उनके हाथ बांध दिए। बच्चों का आरोप है कि हाथ बांधने के बाद उनकी पिटाई भी की गई। इसके बाद दोनों बच्चों में से एक के माता-पिता राजेंद्र खंडारे के पास गए। उन्होंने उससे इस बारे में पूछा। खंडारे ने बच्चों के माता-पिता से कहा कि मैं किसी से नहीं डरता, आप कुछ भी कर सकते हैं।

यह सब देखने के बाद बच्चों के माता-पिता ने सोसायटी के अध्यक्ष योगेश पाटिल को इस बारे में सूचित किया। योगेश पाटिल ने इस घटना की जानकारी मानपाड़ा पुलिस को दी। अमानवीय कृत्य करने वाले सुरक्षा गार्ड राजेंद्र खंडारे को मानपाड़ा पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बच्चे के माता-पिता ने उस पर नशे में होने का आरोप लगाया है। हालांकि, इस घटना से हड़कंप मच गया है।

मैं राकांपा के एक दरवाजे से बाहर आकर दूसरे दरवाजे से प्रवेश किया हूं

सदाशिव पाटिल को शुभेच्छा देने भाजपा के पदाधिकारी राकांपा कार्यालय पहुंचे

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. राष्ट्रवादी कांग्रेस एक बड़ा घर है. मैं एक दरवाजे से निकल कर दूसरे दरवाजे से घर में प्रवेश किया हूं. राकांपा अजित पवार में प्रवेश करने वाले अध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने ये उद्गार व्यक्त किया है. उनके अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद गठबंधन पक्ष भाजपा के नेताओं ने राकांपा कार्यालय में पहुंचकर सदाशिव पाटिल को पुष्प गुच्छ, शॉल देकर उनको बधाई दी. भाजपा अध्यक्ष अभिजीत करंजुले ने पत्रकारों से कहा कि सदाशिव पाटल ने असली राकांपा में प्रवेश किया है.

राकांपा, भाजपा का गठबंधन है. महागठबंधन के लिए ये आनंद की बात है. शहर विकास के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे. उन्होंने बताया कि पक्ष मं नगराध्यक्ष के लिए कई इच्छुक उम्मीदवार हैं, लेकिन शिवसेना, भाजपा, राकांपा (अप) के वरिष्ठ नेता जो निर्णय लेंगे, उसके लिए हम सहकार्य करेंगे.

सदाशिव पाटिल ने कहा है कि अगर गठबंधन हुआ तो ठीक है, नहीं तो उनकी बहू अश्विनी पाटिल नगराध्यक्ष की उम्मीदवार होंगी. राकांपा कार्यालय में मौजूद नेताओं, जिलाध्यक्ष गोंधली, कार्याध्यक्ष डी. मोहन, कमलाकर सूर्यवंशी, पूनम शेलार, सचिन पाटिल, किसन तारमले ने भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबराव करंजुले, अभिजीत करंजुले, अप्पा कुलकर्णी, दिलीप कणसे का स्वागत किया. दोनों पक्ष के नेताओं ने एक सुर में कहा कि वह शहर विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे. जिलाध्यक्ष गोंधली ने कहा कि राकांपा द्वारा बहुत जल्द एक विशाल महिला सम्मेलन का आयोजन शहर में किया जाएगा. राकांपा (अप) की कार्यकारिणी बहुत जल्द घोषित की जाएगी. तब तक महिला अध्यक्षा पूनम शेलार को बरकरार रखा गया है. उन्होंने कहा कि अध्यक्ष सदाशिव पाटिल, कार्याध्यक्ष डी. मोहन कार्यकारिणी का चयन, कमलाकर सूर्यवंशी, किसन तारमले, अप्पा मालुसरे के मार्गदर्शन में करेंगे.

उल्हासनगर में 24 घंटे बंद रहेगी जलापूर्ति

उल्हासनगर. एमआईडीसी द्वारा जांभुल जल शोधन केंद्र और बारवी ग्रेविटी वेसल पर मरम्मत कार्य शुरू किए जाने के कारण, शहर में जलापूर्ति 24 घंटे के लिए पूरी तरह से बंद रहेगी। यह आपूर्ति गुरुवार, 9 अक्टूबर की मध्यरात्रि से शुक्रवार, 10 अक्टूबर की मध्यरात्रि तक बंद रहेगी। इसके कारण, कैंप 3, कैंप 4 और 5 के कुछ हिस्सों में नागरिकों को पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) ने जांभुल जल शोधन केंद्र और बारवी ग्रेविटी वेसल पर महत्वपूर्ण रखरखाव और मरम्मत कार्य शुरू किया है। इसलिए, उल्हासनगर मनपा को गुरुवार, 9 अक्टूबर की मध्यरात्रि से शुक्रवार, 10 अक्टूबर की मध्यरात्रि तक जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। इस दौरान, उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4, 5 और कैंप 3 के

कुछ हिस्सों में जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी और प्रशासन ने नागरिकों से संग्रहित पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है।

मनपा ने संकेत दिया है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद, शनिवार यानी 11 अक्टूबर को कम दबाव और कम मात्रा में पानी की आपूर्ति शुरू होने की संभावना है। इसलिए, उल्हासनगर मनपा के कार्यकारी अभियंता (जल आपूर्ति विभाग) अशोक घुले ने नागरिकों से पानी का दुरुपयोग न करने और केवल आवश्यक मात्रा में पानी का उपयोग करने की अपील की है।

गुरु गोविंद सिंह हिंदी हाईस्कूल में धांधली, शिक्षक गिरफ्तार

■ **उल्हासनगर 3 में अनिल अशोक सिनेमा के पास है स्कूल**
■ **फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पदोन्नति**
■ **सेंट्रल पुलिस में मामला दर्ज**
■ **बर्खास्त शिक्षक व प्रभारी प्राचार्य फरार**

उल्हासनगर. उल्हासनगर 3 में अनिल अशोक सिनेमा के पास स्थित गुरु गोविंद सिंह हिंदी हाईस्कूल में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पदोन्नति का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस धोखाधड़ी के मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

कर पदोन्नत शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस बीच, इस साजिश में शामिल बर्खास्त शिक्षक और प्रभारी प्राचार्य फरार हैं। यह स्कूल उल्हासनगर शिक्षक शिक्षा समिति के अधीन संचालित होता है। समिति की अध्यक्ष परविंदर कौर मुधर ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, बर्खास्त प्राचार्य त्रिभुवन दास सीताराम तिवारी, उनके भाई शिक्षक राजेश कुमार सीताराम तिवारी और प्रभारी प्राचार्य सुनीता चंद्रमौली सिंह ने मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और संस्थान व शिक्षा विभाग को गुमराह किया। त्रिभुवनदास तिवारी ने संस्थान में कोई आधिकारिक पद न होने के बावजूद संस्थान के लेटरहेड पर एक फर्जी आदेश तैयार किया, जिसमें दिखाया गया कि शिक्षक राजेश कुमार तिवारी को पर्यवेक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है।

संबंधित आदेश शिक्षा विभाग, जिला परिषद, ठाणे के नाम से जारी दिखाया गया था, लेकिन जाँच में पता चला कि यह पूरी तरह से फर्जी था। यह फर्जी आदेश प्रभारी प्रधानाचार्य सुनीता सिंह को सौंपा गया था।

हालाँकि आदेश में उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का उल्लेख था, लेकिन उन्होंने इसे नज़रअंदाज़ करते हुए राजेश कुमार तिवारी की 15 जुलाई, 2025 से पदोन्नति को मंज़ूरी दे दी। इस पूरे मामले से यह स्पष्ट हो गया है कि शिक्षा विभाग, संस्था और स्कूल के साथ धोखाधड़ी की गई है। इस मामले में पुलिस ने राजेश कुमार सीताराम तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य दो आरोपियों की तलाश में जाँच जारी है। अधिक जानकारी के लिए, आइए गुरु गोबिंद सिंह स्कूल की अध्यक्ष परविंदर कौर मुधर से बात करते हैं.

कचरा उठाने को लेकर महिलाओं में झड़प

ठाणे. घर के पास नाले से कचरा उठाने को लेकर दो महिलाओं में मामूली कहासुनी हो गई। लात-घूसों से मारपीट के मामले में कलवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। 5 अक्टूबर की सुबह, चंद्रकला जैसवार और उनकी पड़ोसी शीला राजभर के बीच घर के पास नाले से कचरा उठाने को लेकर बहस हो गई। बाद में शीला राजभर ने जैसवार की पीठ, कमर और दाहिने कंधे पर लकड़ी के बांस से वार किया। शिकायत दर्ज कराई गई है कि शिला के बेटे और उसकी पत्नी मारपीट में शामिल थे, जबकि शिला राजभर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पड़ोसी तीरथ गौतम (38) ने शिकायतकर्ता को धक्का दिया, जिससे वह बगल की दीवार पर गिर गई।

10 महीनों में 134 सर्पदंश रोगियों का इलाज

■ **दो रोगियों की मौत के बाद मनपा का स्पष्टीकरण**

कल्याण. डोंबिवली की दो महिला रोगियों की पिछले सप्ताह इलाज के दौरान सर्पदंश से मृत्यु हो गई। इससे गुस्साए परिजनों ने महानगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग को ज़िम्मेदार ठहराया और उस पर लापरवाही का आरोप लगाया। हालाँकि, महानगर पालिका के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि जनवरी से अब तक 10 महीनों में महानगर पालिका अस्पताल में 134 सर्पदंश रोगियों का इलाज किया गया।

चार वर्षीय प्राणवी भोईर और उसकी मौसी श्रुति ठाकुर (23) दोनों को साँप के काटने के बाद महानगर पालिका के शास्त्री नगर

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान, ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सा अधिकारियों ने उनकी जाँच की और तुरंत इलाज शुरू किया। दोनों को सर्पदंश रोधी टीका भी दिया गया। प्राणवी भोईर की स्थिति के बारे में बाल रोग विशेषज्ञों से परामर्श किया गया। प्रयोगशाला में रैपिड टेस्ट भी किए गए। चूँकि दोनों में गंभीर लक्षण दिखाई दिए, इसलिए उन्हें आईसीयू की आवश्यकता होने की संभावना थी। इसलिए, उन्हें आगे के इलाज के लिए महानगर पालिका की एम्बुलेंस से ठाणे के सिविल अस्पताल भेज दिया गया।

महानगर पालिका के प्रभारी चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुक्ला ने बताया कि दोनों मरीजों का अस्पताल में दिशानिर्देशों के अनुसार तुरंत इलाज किया गया। महानगर पालिका के रुक्मिणीबाई और शास्त्री नगर अस्पताल, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 120 बिस्तरों की है, में 24 अंतःरोगी विभाग और 2477 दुर्घटना विभाग प्रतिदिन खुले रहते हैं। दुर्घटना विभाग में फोरेंसिक चिकित्सा जाँच, गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीज़, दुर्घटना के शिकार मरीज़, कुत्ते, बिच्छू, साँप आदि के काटने वाले मरीज़ों का इलाज किया जाता है।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि अस्पताल में साँप काटने से बचाव के टीके का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और मरीज़ की स्थिति के अनुसार इसकी खुराक दी जाती है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास

संपादकीय

सुरंगें, सड़कें और कटती पहाड़ियां

हिमालयी राज्यों में पहाड़ों के दरकने का सिलसिला आखिर क्यों शुरू हो गया है? हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुए हादसे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है। कहीं यह विकास की धारा में पहाड़ों की प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा तो नही है! बाढ़ और भूस्खलन की बढ़ती घटनाएं इसी ओर इशारा कर रही हैं। गौरतलब है कि बिलासपुर जिले के बरठीं में मंगलवार शाम को पहाड़ का एक हिस्सा टूट कर निजी बस पर जा गिरा, जिससे कई लोगों की जान चली गई। कहा जा रहा है कि जिस जगह यह हादसा हुआ, वहां पहाड़ से अक्सर पत्थर गिरते थे।

इसके बावजूद उस स्थान को चिह्नित कर सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए। यह गंभीर चिंता का विषय है कि पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन से हादसे लगातार बढ़ रहे हैं, मगर इसे सिर्फ भारी बारिश से जोड़कर ही देखा जाता रहा है। जबकि अनियंत्रित निर्माण कार्यों और वन भूमि के क्षरण के पहलू की अनदेखी की जा रही है।

इसमें दोराय नहीं कि हम पहाड़ों को संरक्षित करने के बजाय उन्हें लगातार क्षति पहुंचा रहे हैं। पहाड़ों की सुंदरता पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है और उनकी सुविधा के लिए वहां नई सड़कों का निर्माण एवं विस्तार के साथ सुरंगें तैयार की जा रही हैं। जाहिर है, इसके लिए पहाड़ों को काटा जा रहा है, जिससे वे अंदर से खोखले हो रहे हैं। सैलानियों की बढ़ती संख्या और वाहनों का दबाव भी पहाड़ों को झेलना पड़ रहा है। रही-सही कसर पेड़ों की अनियंत्रित कटाई ने पूरी कर दी है।

अब पहाड़ इतने कमजोर हो गए हैं कि भारी बारिश या बादल फटने की स्थिति में वे खुद को संभाल नहीं पाते हैं। इसका नतीजा बाढ़ और भारी भूस्खलन के रूप में सामने आता है। नीति निर्माताओं और जनता को यह याद रखना होगा कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण एवं प्रकृति का संरक्षण भी बेहद जरूरी है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसकी कीमत हमें जानमाल के नुकसान के रूप में चुकानी पड़ सकती है। अब समय आ गया है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार किया जाए और संतुलित विकास की ओर कदम बढ़ाया जाए।

विचार: भारत की दृष्टि हैं प्राचीन पांडुलिपियां

पिछले दिनों ज्ञान भारतम् मिशन की रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया गया और नई दिल्ली घोषणापत्र अपनाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के अभिन्न अंग पांडुलिपियों में बिखरे भारतीय ज्ञान के संरक्षण, उनके डिजिटलीकरण और प्रसार के साथ विदेश चली गई मूल कृतियों को वापस लाने का प्रयास शामिल है। इस घोषणापत्र में मूल पांडुलिपियों को वापस प्राप्त करने और उन्हें विदेश से लाने और उनकी डिजिटल प्रतियां सुरक्षित करने, शोध और राष्ट्रीय गौरव के लिए उन तक पहुंच सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया है।

भारत अब तक दुनिया भर से चोरी या फिर तस्करी के द्वारा देश के बाहर गईं 600 से अधिक धरोहरों को वापस ला चुका है। इनमें अकेले अमेरिका से ही 559 धरोहरों को वापस लाया गया है। पांडुलिपियां किसी राष्ट्र की जीवन स्मृति और उसकी सभ्यता की पहचान की नींव होती हैं। भारत जैसी संस्कृति वाले राष्ट्र के पास पांडुलिपियों का समृद्ध संग्रह है, जिसमें लगभग एक करोड़ ग्रंथ हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पांडुलिपियां ताड़ पत्र, हस्तनिर्मित कागजों, शंटी की छालों, कपड़ों, चर्मपत्र, बर्च (भोजपत्र), ताम्रपत्र के रूप में सुरक्षित हैं, जिनका संरक्षण आधुनिक तकनीक से करने के साथ-साथ शोधकर्ताओं तक पहुंच को आसान बनाना आवश्यक है। ये सभी पांडुलिपियां मूल स्रोत के रूप में हस्तलिखित होती थीं, जो मुद्रण

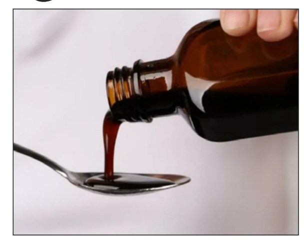

यंत्रों के आविष्कार से पहले सूचनाओं को रिकार्ड करने का साधन थीं। मध्यकाल और आधुनिक काल में विदेशी आक्रांताओं ने इन्हें नष्ट तो किया, लेकिन आजादी के बाद इनके महत्व को न समझना और इनका संरक्षण न किया जाना दुखद है।

प्राचीन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को भारतीय इतिहास में भी उचित स्थान नहीं मिल पाया। भारतीय इतिहास की प्रवृत्ति केवल राजनीतिक नहीं थी, जो साम्राज्यों के उत्थान और पतन में दिखती है। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, लोक चेतना, मानवता और नैतिकता पर आधारित जीवन दृष्टि, प्रकृति के साथ सामंजस्य और वैज्ञानिक चेतना से युक्त दृष्टि भारतीय जीवन का मूल आधार थी। भारत की दार्शनिक पद्धतियां आध्यात्मिक, धार्मिक और भौतिक चेतना से युक्त थीं, जो अलग-अलग परिस्थितियों में सभी समाजों के लिए मार्गदर्शक के रूप में विद्यमान थीं। जबकि मध्यकालीन मुस्लिम इतिहासकारों ने धार्मिक दृष्टिकोण से राजनीतिक इतिहास लिखा और आक्रांताओं की नीतियों को वैधता प्रदान की।

आधुनिक काल में अंग्रेजी इतिहासकारों ने औपनिवेशिक मानसिकता से भारतीय इतिहास को प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य भारतीय चिंतनधारा को अवरुद्ध करके पश्चिमी मूल्य और संस्कृति को श्रेष्ठता प्रदान करने के साथ-साथ औपनिवेशिक शासन को वैधता प्रदान करना था। आजादी के अमृतकाल में भारतीय समाज अपने अतीत के प्रति आग्रही दिख रहा है और अपनी मूल चिंतन धारा को नए संदर्भ में प्रस्तुत कर रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारतीयता के मूल्यों को स्थापित करने के लिए आधार प्रदान किया है।

आज भारतीय इतिहास को शोधकर्ता नई दृष्टि और संदर्भों के साथ-साथ वैज्ञानिक शोधों के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत कर रहे हैं। प्राथमिक और मूल स्रोतों के साथ इतिहास सामने आ रहा है, जिससे अतीत की भ्रांति भरे विमर्श अप्रासंगिक हो रहे हैं। पूर्वाग्रह से लिखा गया इतिहास वैज्ञानिक दृष्टि और स्रोतों के साथ आज प्रस्तुत करने से झूठा साबित हो रहा है। पुरातात्विक उत्खनन से भारतीय सभ्यता के नए पक्ष स्पष्ट हुए हैं। भारतीय शासकों की विजय और जनकल्याणकारी शासन के नए पक्ष सामने आ रहे हैं। कई विश्वविद्यालयों में प्राचीन भारतीय ज्ञान पर शोधपीठों की स्थापना हो रही है और वैज्ञानिक संस्थान भी प्राचीन ज्ञान की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं।

भारतीय जीवन पद्धति, आयुर्वेद और योग को संपूर्ण विश्व धरोहर के रूप में स्वीकार कर रहा है। यूनेस्को भारतीय सांस्कृतिक स्थलों को विश्व विरासत के रूप में स्वीकार कर रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा में हजारों वर्ष का चिंतन-मनन, महान विद्वानों और चिंतकों का शोध, भारत की वैज्ञानिक धरोहर शामिल हैं, जो भारतीय पांडुलिपियों में आसानी से खोजी जा सकती हैं। ये पांडुलिपियां केवल अतीत की धरोहर नहीं हैं, अपितु भविष्य के भारत की दृष्टि और दृढ़ संकल्प हैं।

प्रभु के पास वापस जाने का रास्ता प्रेम है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सड़कें सिर्फ गाड़ियों के लिए हैं क्या?

सड़कों पर पैदल चलने वालों को सुरक्षा का उतना ही अधिकार है, जितना वाहनों में सवार लोगों का होता है। इस पर गौर करना जरूरी है कि सड़कें केवल वाहनों के लिए नहीं हैं, पैदल यात्रियों को भी उन पर चलने का हक है। यातायात नियम भी सभी पर लागू होते हैं। मगर सवाल है कि क्या पैदल यात्रियों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जा रहा है? हर वर्ष सड़क हादसों में जान गंवाने वालों में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। यह सड़कों पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा में एक गहरी प्रणालीगत विफलता है।

यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पैदल यात्रियों तथा गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया है। इसके लिए छह माह की समय सीमा तय की गई है। हालांकि, कुछ राज्य इस दिशा में पहले ही कदम बढ़ा चुके हैं, लेकिन उनकी नियमावली या तो पूरी तरह स्पष्ट नहीं है या फिर उन पर कड़ाई से अमल नहीं हो पा रहा है।

देश में सड़क सुरक्षा की स्थिति क्या है, इसका अंदाजा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से पिछले दिनों जारी एक रपट से लगाया जा सकता है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में देश भर में 4.8 लाख से ज्यादा

सड़क हादसे हुए हैं। इनमें से करीब 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई और 4.62 लाख लोग घायल हुए। इन हादसों में जान गंवाने वालों में 68 फीसद पैदल यात्री और दोपहिया सवार शामिल थे। यह आंकड़ा बताता है कि सड़कों पर सबसे ज्यादा खतरा पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों को होता है।

दरअसल, देश में ज्यादातर सड़कें मुख्य रूप से वाहनों को ध्यान में रख कर ही बनाई गई हैं, जिससे पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। यह बात छिपी नहीं है कि अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं या वे टूटे हुए हैं या फिर उन पर अतिक्रमण हो गया है। इस वजह से नागरिकों को मुख्य सड़कों पर चलने के लिए विवश होना पड़ता है, जहां तेज रफ्तार वाहनों से हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है।

सड़कों पर यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने और सुरक्षा के लिए देश में मोटर वाहन अधिनियम बनाया गया है, मगर उसमें 'पैदल चलने के अधिकार' को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। इस कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। भारतीय सड़क कांग्रेस ने वर्ष 2012 में फुटपाथों को लेकर कई सुझाव दिए थे, जिनमें पैदल चलने के लिए कम से कम 1.8 मीटर चौड़ा और बाधा-मुक्त क्षेत्र बनाने का सुझाव भी शामिल था।

इसके अलावा सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा शिक्षा देने, यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने, सड़कों की बनावट में सुधार और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को लेकर भी अभियान शुरू किया गया है। मगर इस दिशा में जमीनी स्तर पर अभी भी कोई खास सुधार नजर नहीं आता है। वास्तविकता यह है कि सड़क बनाने और रखरखाव का काम करने वाली एजेंसियां भी यातायात नियमों को अनदेखा कर देती हैं। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा अन्य सड़कों के लिए डिजाइन के मानकों, निर्माण और रखरखाव को लेकर भी राज्यों को नियम बनाने के निर्देश जारी किए हैं।

तेलंगाना का 800 साल पुराना बरगद है पूरा जंगल!

जरा हट के

तेलंगाना के महबूबनगर जिले में स्थित पिल्लालामरी का बरगद लगभग 800 साल पुराना है. यह केवल एक पेड़ नहीं बल्कि एक जीवित प्राकृतिक अजूबा है, जिसकी विशाल शाखाएं और फैली हुई छाया दुनिया भर में प्रसिद्ध है. अपनी उम्र, विशालता और सांस्कृतिक महत्व के कारण यह बरगद पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.इस बरगद के पेड़ की शाखाएं इतनी फैली हुई हैं कि इसकी छाया लगभग 19,000 वर्ग गज यानी करीब 1.6 हेक्टेयर में फैलती है. अनुमान के मुताबिक, इसकी छाया में 1000 से ज्यादा लोग आराम से बैठ सकते हैं.

इस पेड़ की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि इसके मुख्य तने के साथ-साथ इसकी जड़ों और शाखाओं ने नए तने और जड़ें विकसित कर ली हैं, जिससे यह दूर से देखने में एक छोटे बागीचे या पूरे जंगल जैसा

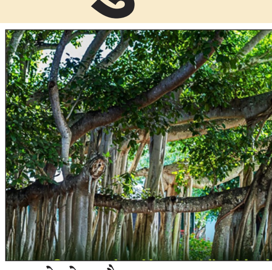

रूप ले लेता है.

इसकी उम्र लगभग 800 वर्ष आंकी गई है, जिसका अर्थ है कि यह पेड़ काकतीय वंश और बहमनी सल्तनत के समय से भी पहले से मौजूद है. लोककथाओं के अनुसार, हैदराबाद के निजाम शासक गर्मियों में इस पेड़ की ठंडी और घनी छाया का आनंद लेने के लिए पिकनिक पर यहाँ आते थे.

इस पेड़ का नाम पिल्लालामरी स्थानीय भाषा से निकला है, जहाँ 'पिल्ला' का मतलब बच्चा और 'मर्री' का मतलब जोड़ी होता है. स्थानीय लोककथा के अनुसार, इस पेड़ के नीचे प्रार्थना करने वाले निःसंतान दंपतियों को संतान सुख मिलता था, जिसके कारण इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ गया.

आज यह स्थान हैदराबाद और आसपास के लोगों के लिए एक आदर्श वीकेंड गेटवे बन गया है. तेलंगाना पर्यटन विभाग इसका रखरखाव करता है और पर्यटकों की सुविधा के लिए यहाँ व्यवस्थाएँ की गई हैं. यह हैदराबाद से लगभग 100 किलोमीटर दूर और महबूबनगर बस स्टेशन से मात्र 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. यहाँ कार या बस से आसानी से पहुँचा जा सकता है.

खाना-खजाना

पोहा कटलेट

सामग्री :

- पोहा : 1 कप
- उबले आलू: 2
- बारीक कटी हुई सब्जियां: आधा कप (गाजर, मटर, शिमला मिर्च)
- प्याज: 1 छोटा, बारीक कटा हुआ
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 चम्मच
- हरी मिर्च: 1-2, बारीक कटी हुई
- धनिया पाउडर: आधा चम्मच
- जीरा पाउडर: आधा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: आधा चम्मच (स्वादानुसार)
- चाट मसाला: आधा चम्मच
- नींबू का रस: 1 चम्मच
- धनिया पत्ती: 2 चम्मच, बारीक कटी हुई
- नमक: स्वादानुसार
- तेल: तलने के लिए

विधि :

सबसे पहले पोहा को एक छलनी में डालकर अच्छी तरह धो लें। ध्यान रखें कि इसे पानी में भिगोकर न रखें, बस धोकर 5 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि यह थोड़ा नरम हो जाए।

एक बड़े कटोरे में उबले और मैश किए हुए आलू लें। अब इसमें नरम पोहा और बारीक कटी हुई सारी सब्जियां (गाजर, मटर, शिमला मिर्च, प्याज, हरी मिर्च) डाल दें। अब इस मिश्रण में अदरक-लहसुन का पेस्ट, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, नमक और नींबू का रस डालें।

इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें और एक मुलायम आटा जैसा बना लें। अब इस मिश्रण से

छोटे-छोटे कटलेट या टिक्की का आकार दें।

फिर एक पैन में तेल गरम करें। जब तेल अच्छी तरह गरम हो जाए, तो इसमें कटलेट डालें और मध्यम आंच पर सुनहरा भूरा होने तक तलें। दोनों तरफ से अच्छी तरह से तलें ताकि वे कुरकुरे हो जाएं।

आपके स्वादिष्ट पोहा कटलेट तैयार हैं। इन्हें हरी चटनी, इमली की चटनी या टोमेटो केचप के साथ गरम-गरम परोसें।

सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक है तंबाकू चबाना!

बिना धुएं के जिंदगी कर रही बर्बाद, स्टडी में हुआ खुलासा

अक्सर लोग सोचते हैं कि सिगरेट पीना ज्यादा खतरनाक है और तंबाकू चबाना ज्यादा नुकसानदायक नहीं होता है. अगर आप भी ऐसा सोचते हैं, तो पूरी तरह गलत हैं. एक स्टडी में पता चला है कि तंबाकू चबाने से कैंसर का खतरा सिगरेट से भी ज्यादा तेजी से बढ़ता है. सिगरेट से निकलने वाला धुआं शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, जबकि तंबाकू में मौजूद कुछ खतरनाक केमिकल्स शरीर की कोशिकाओं को उससे भी ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं. तंबाकू चबाने से कैंसर जल्दी और एग्रेसिव रूप से डेवलप होता है. यह रिसर्च उन लोगों के लिए चेतावनी है, जो गुटखा, पान मसाला या जर्दा को नुकसानदायक नहीं मानते हैं. तंबाकू बिना धुएं के

भी आपकी जिंदगी धुआं-धुआं कर सकती है.

TOI की रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्लोबल स्टडी में पता चला है कि तंबाकू चबाने वाले लोगों में ओरल कैंसर और गले का कैंसर ज्यादा तेजी से डेवलप होता है. वैज्ञानिकों ने पाया कि चबाने वाले तंबाकू में पाए जाने वाले नाइट्रोसामाइंस (TSNAs) और पॉलीसायक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAHs) जैसे तत्व DNA को सीधे नुकसान पहुंचाते हैं. यह नुकसान इतना तीव्र होता है कि कैंसर की कोशिकाएं तेजी से बढ़ती हैं और इलाज मुश्किल हो जाता है. सिगरेट की बात करें, तो सिगरेट में निकोटिन और टार की अधिकता होती है, लेकिन चबाने वाली तंबाकू में ज्यादा कैंसरजनक रसायन होते हैं. सिगरेट का धुआं शरीर में पहुंचने से पहले वातावरण में कुछ हद तक फैल जाता है, जबकि चबाई हुई तंबाकू सीधे मुंह की कोशिकाओं के संपर्क में आती है. यह सीधा संपर्क ज्यादा खतरनाक होता है, क्योंकि यह शरीर के ऊतकों में गहराई तक असर करता है.

गुटखा, पान मसाला, जर्दा और अन्य चबाने वाले तंबाकू प्रोडक्ट आजकल युवाओं के बीच बेहद कॉमन हो गए हैं. इस आदत को अक्सर फैशन या तनाव कम करने का तरीका मान लिया जाता है, लेकिन ये प्रोडक्ट्स कैंसर के साथ-साथ दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारियां और पाचन संबंधी समस्याओं का कारण भी बनते हैं. इनके सेवन से शुरुआत में लक्षण बहुत मामूली होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे लोग गंभीर बीमारी का शिकार हो जाते हैं. नई रिसर्च में यह भी बताया गया कि तंबाकू से होने वाले कैंसर का इलाज काफी मुश्किल होता है, क्योंकि यह आमतौर पर तब सामने आता है, जब बीमारी अपने एडवांस स्टेज में पहुंच चुकी होती है. मुंह, जीभ, गला और भोजन नली का कैंसर अक्सर सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन के जटिल इलाज की मांग करता है. इसके अलावा इसका इलाज बेहद खर्चीला होता है.

शोधकर्ताओं की मानें तो अगर तंबाकू चबाने की आदत को समय रहते रोका जाए, तो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है. सख्त कानून, जनजागरुकता अभियान और स्वास्थ्य शिक्षा के जरिए लोगों को यह समझाना जरूरी है कि तंबाकू का कोई भी रूप सुरक्षित नहीं है. तंबाकू चाहे धुएं के रूप में लिया जाए या चबाया जाए, यह जानलेवा है. जो लोग यह सोचते हैं कि केवल सिगरेट पीना खतरनाक है और चबाने वाला तंबाकू सुरक्षित है, उन्हें इस नई रिसर्च से आंखें खोल लेनी चाहिए. चबाने वाला तंबाकू न केवल कैंसर को अधिक तेजी से जन्म देता है, बल्कि यह आपके जीवन की गुणवत्ता को भी बर्बाद कर देता है.

आज का राशिफल

मेष : आज यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

वृषभ : परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन : आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क : आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी।

सिंह : नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या : बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय होगा। शत्रु परस्त होंगे।

वृश्चिक : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी।

मकर : मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

कुंभ : व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन : उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सुबह एक कप रस का सेवन, पथरी गायब!

इन दिनों कई लोग स्टोन (पथरी) की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसमें पेट के अंदर बनने वाले पत्थर के कारण असहनीय दर्द होता है. आयुर्वेद के अनुसार, इस समस्या के लिए कारगर उपाय मौजूद है. ग्रामीण क्षेत्रों में आम बोलचाल की भाषा में एक पौधा 'पत्थरचूर' के नाम से जाना जाता है, जिसके पत्तों का सेवन स्टोन की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है.

पत्थरचूर पौधे के बारे में जानकारी

युवा किसान सौरभ कुमार, जो पत्थरचूर की खेती करते हैं, बताते हैं कि इस पौधे के पत्ते का उपयोग स्टोन की समस्या के लिए रामबाण इलाज हो सकता है. वे कहते हैं कि सुबह के समय चाय की जगह पत्थरचूर के पत्ते का रस पीना फायदेमंद होता है. इसके लिए पत्थरचूर के पत्ते का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा अदरक मिलाकर एक कप में पी सकते हैं.

क्या हैं पौधे की विशेषताएं

पत्थरचूर का पौधा लगाना बेहद आसान है. इसके पत्ते से ही कई नए पौधे तैयार किए जा सकते हैं. इसे ज्यादा गर्मी पसंद नहीं है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसे बचाकर रखना होता है. बाकी यह विभिन्न मौसमों में आसानी से टिक जाता है. जब लोगों को पेट में पथरी (स्टोन) की समस्या होती है, तो कई लोग इसके पत्ते लेने आते हैं.

आयुर्वेदिक महत्व भी जान लें

आयुर्वेद के अनुसार, पत्थरचूर के पत्ते का सेवन किडनी और गॉलब्लैडर में बनने वाले स्टोन को निकालने में मददगार होता है. इसके नियमित सेवन से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है और पेट संबंधी कई समस्याओं में राहत मिलती है.

कैसे करें इस्तेमाल

सुबह के समय पत्थरचूर के पत्ते का रस अदरक के साथ मिलाकर पी सकते हैं. हमेशा ताजे और हरे पत्तों का इस्तेमाल करें. किसी भी आयुर्वेदिक उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें.

पत्थरचूर का पौधा स्टोन की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए एक प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपाय हो सकता है. युवा किसान सौरभ कुमार जैसे लोग इसकी खेती कर रहे हैं और लोगों को इसके फायदे बता रहे हैं. हालांकि, स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या के लिए डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है.

घर पर करना है फेशियल या ब्लीच

तो इन घरेलू नुस्खों से पाएं पार्लर जैसा लुक

चेहरा हमेशा साफ और ताज़ा दिखना हर किसी की चाहत होती है. घर पर कुछ आसान उपायों से आप चेहरा बिना किसी नुकसान के साफ रख सकते हैं. रोजाना हल्के हाथों से चेहरा धोना और प्राकृतिक क्लेंजर का इस्तेमाल करना सबसे सुरक्षित तरीका है.

डॉ. अनु शर्मा, सीनियर आयुर्वेद कंसल्टेंट, अकॉर्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, फरीदाबाद के अनुसार प्राकृतिक और घरेलू उपाय अपनाकर चेहरे की सफाई और ब्लीच किया जा सकता है. उनका कहना है कि केमिकल के बजाय घरेलू नुस्खे त्वचा के लिए ज्यादा सुरक्षित हैं.

बेसन दो चम्मच, गुलाबजल एक चम्मच, नींबू का रस तीन-चार बूंद और हल्दी चुटकीभर मिलाकर चेहरा हल्के हाथों से दो मिनट मसाज करें. इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें. यह मिश्रण त्वचा के रोमछिद्रों तक गहराई से सफाई करता है.

ओट्स पाउडर, शहद और दूध एक-एक चम्मच मिलाकर चेहरे पर हल्के गोल घुमाव में तीन-चार मिनट मसाज करें. यह मृत त्वचा हटाता है और त्वचा को मुलायम व ताज़ा बनाता है. हफ्ते में 1-2 बार करना काफी है.

नींबू का रस, शहद और दही एक-एक चम्मच मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट लगाएं. इसके बाद सामान्य पानी से धो लें. यह

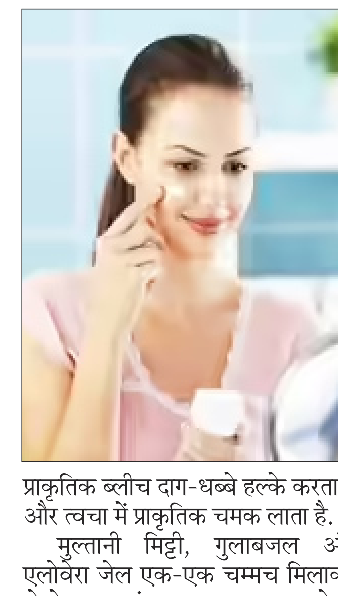

प्राकृतिक ब्लीच दाग-धब्बे हल्के करता है और त्वचा में प्राकृतिक चमक लाता है.

मुल्तानी मिट्टी, गुलाबजल और एलोवेरा जेल एक-एक चम्मच मिलाकर चेहरे पर लगाएं. जब यह सूख जाए, तो धो लें. यह पैक त्वचा को ठंडक और ताजगी देता है साथ ही प्राकृतिक रूप से चमक भी बढ़ाता है.

साफ-सफाई और ब्लीच के बाद कोई केमिकल क्रीम या मेकअप तुरंत न लगाएं. हल्का एलोवेरा जेल या गुलाबजल लगाएं. पर्याप्त पानी पिएं और नींद पूरी लें. आंतरिक संतुलन बनाए रखने से त्वचा स्वाभाविक रूप से दमकती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

महिला ने पहले रात में युवक को घर बुलाया, फिर चाकू से काटा प्राइवेट पार्ट

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सरपतहां थाना क्षेत्र के एक गांव देर रात एक महिला ने युवक को घर बुलाया और उस पर हमला कर दिया। युवक के प्राइवेट पार्ट को चाकू से काट दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि हमले के दौरान महिला के साथ एक अन्य युवक भी था। बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक गांव का ही रहने वाला है और कुछ दिन पहले ही विदेश से नौकरी छोड़कर घर लौटा था। सूत्रों के अनुसार, महिला ने खुद फोन करके युवक को अपने घर बुलाया था। इससे पहले महिला से मिलने सोमवार की रात भी युवक उसके घर गया था। इस दौरान महिला के परिजनों को भनक लग गई और युवक की पिटाई भी हुई थी। इसके बाद युवक के परिजन उसे किसी तरह समझा-बुझाकर घर वापस ले आए थे।

घर बाहर बैठे परिवार को कार ने रौंदा, वृद्धा समेत चार की मौत, तीन घायल

श्रावस्ती. यूपी के श्रावस्ती में गुरुवार को भीषण हादसा हो गया। ये हादसा उस समय हुआ जब वृद्धा समेत एक ही परिवार के चार लोग घर के दरवाजे पर बैठे बातें कर रहे थे। इस दौरान एक बेकाबू कार ने उन्हें रौंदते हुए दीवार से टकराकर पलट गई। हादसे में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। इकौना थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव निवासी सुग्रीव गोस्वामी (54) पुत्र बाबूराम गोस्वामी उनकी मां सुंदरपता (72), भतीजे रमेश गोस्वामी (21) पुत्र विजय व उमेश कुमार (18) पुत्र वंश गोस्वामी गुरुवार सुबह घर के दरवाजे पर बैठे बातें कर रहे थे। इस दौरान इकौना से वीरपुर की ओर तेज रफ्तार से जा रही टाटा ईवी कार मौके पर पहुंचते ही बेकाबू हो गई और दरवाजे पर बैठे लोगों को रौंदते हुए दीवार से टकराकर पलट गई। हादसे दरवाजे पर बैठे सुग्रीव, वृद्धा सुन्दरपता, रमेश व उमेश समेत चारो लोग घायल हो गए।

एंटी करप्शन टीम का ऐक्शन: 15 हजार की रिश्वत लेते रंग हाथ पकड़ा गया सचिव

बदायूं. यूपी के बदायूं में एंटी करप्शन की टीम ने कार्रवाई की। बिसौली इलाके के आसफपुर ब्लाक पर तैनात सचिव को एंटी कप्शन टीम ने पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ग्राम सचिव कारगिल योद्धा व पूर्व फौजी से कोटा प्रस्ताव के नाम पर 40 हजार की रिश्वत मांग रहा था। जिसकी शिकायत के बाद एंटी करप्शन टीम ने यह कार्रवाई की। पकड़े गए सचिव को एंटी करप्शन टीम गिरफ्तार कर बिसौली कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। कारगिल योद्धा रिटायर्ड फौजी सुरेश कुमार निवासी पिपरिया थाना फैजगंज से कोटे के प्रस्ताव पर सचिव गौरव कुमार ने 40 हजार की रिश्वत मांगी थी। जिस पर आज पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए सचिव गौरव कुमार को रंगे हाथ एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार किया। पीड़ित के मुताबिक विकास खंड आसफपुर से तैनात ग्राम विकास अधिकारी (सचिव) गौरव कुमार निवासी काजी टोला वार्ड एक इस्लामनगर कोटा प्रस्ताव पास करने के नाम पर 40 हजार रुपये मांगे थे।

तालिबान और भारत साथ, पाकिस्तान घबराया

- **ट्रम्प की भी चिंता बढ़ी**

नई दिल्ली. 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद से साउथ एशिया की राजनीति काफी बदल रही है। पिछले कुछ सालों में चीन की मदद से पाकिस्तान ने खुद को बेहतर किया है। लिहाजा भारत, पाकिस्तान को अलग-थलग करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अब अफगानिस्तान के करीब आने से साउथ एशिया में भारत की स्थिति मजबूत होगी।'

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे को तुर्किये की यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर ओमैर अनस काफी उम्मीदों भरा बता रहे हैं। तालिबानी विदेश मंत्री आज से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं। मुत्तकी यूनाइटेड नेशंस की सिक्योरिटी काउंसिल में प्रतिबंधित आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल हैं। इसलिए उन्हें भारत आने के लिए विशेष छूट लेनी पड़ी है।

भारत दौरे से पहले अफगानी मंत्री रूस की राजधानी मॉस्को भी पहुंचे। यहां वे 'मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशन' की बैठक में शामिल हुए, जिसमें भारत उनके सपोर्ट में दिखा। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस प्लान का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस वापस लेने की बात कही थी। इस मुद्दे पर पाकिस्तान, चीन और रूस ने भी भारत का सपोर्ट किया।

हालांकि रूस के अलावा भारत समेत किसी भी देश ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। अब अफगान मंत्री के भारत दौरे से क्या बदलेगा? भारत के लिए ये दौरा किस तरह फायदेमंद होने वाला है। अफगानिस्तान के लिए कैसे पाबंदियां कम हो सकती हैं। तुर्किये की अंकारा यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर ओमैर अनस और अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार राजन राज से बात कर हमने यह समझने की कोशिश की।

तालिबान सरकार को मान्यता देने पर हो सकती है बात

- 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने और तालिबान की सरकार बनने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया। तब से दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक रिश्ता नहीं रहा। भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को ऑफिशियली मान्यता भी नहीं दी है। हालांकि भारत लंबे वक्त से अफगानिस्तान के साथ बैकडोर डिप्लोमेसी करता रहा है।
- अब तालिबान सरकार के करीब 5 साल के शासन के बाद विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं। दौरे का एजेंडा जानने के लिए हमने अफगानिस्तान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मैसेज और कॉल का जवाब नहीं दिया।
- विदेश मंत्रालय के सोर्स बताते हैं कि मुत्तकी की दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात हो सकती है। दोनों के बीच अफगानिस्तान में मानवीय सहायता, वीजा, व्यापारियों के लिए सुविधा और अफगान नागरिकों के मामले उठाए जा सकते हैं।
- वहीं ड्राय फ्रूट एक्सपोर्ट, चाबहार-रूट, पोर्ट-लिंक, रीजनल सिक्योरिटी और आतंकवाद पर रोक (खासकर TTP के मद्देनजर) समेत अफगान सरकार की अंतरराष्ट्रीय मान्यता जैसे मुद्दों पर भी बात हो सकती है।

जन सुराज पार्टी की पहली लिस्ट में 51 कैंडिडेट

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने अपने 51 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी के नेता प्रशांत किशोर का नाम इस लिस्ट में नहीं है और सूत्रों का कहना है कि पार्टी को 243 सीटों पर ठीक से लड़ाने के लिए वो खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे। पहले उनके राघोपुर या करगहर से लड़ने की चर्चा चली थी। जन सुराज पार्टी के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा में प्रशांत किशोर नहीं बैठे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, पार्टी के नेता आरसीपी सिंह, यदुवंश गिरि कैंडिडेट घोषणा के वक्त मौजूद थे। पार्टी ने ऐलान किया है कि प्रशांत किशोर चुनाव अभियान की शुरुआत राघोपुर सीट से करेंगे।

आरोपी वकील की बार एसोसिएशन मेंबरशिप खत्म : बेंगलुरु में FIR

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस पर जूता फेंकने की कोशिश की थी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने गुरुवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बीआर गवई पर हमले की कोशिश करने वाले वकील राकेश किशोर (71) की मेंबरशिप तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी। SCBA ने कहा कि वकील का व्यवहार पेशेवर नैतिकता, शिष्टाचार और सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का गंभीर उल्लंघन है।

वहीं, बेंगलुरु में ऑल इंडिया एडवोकेट एसोसिएशन ने राकेश किशोर के खिलाफ FIR दर्ज करवाई है। बेंगलुरु पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 132 और 133 के तहत FIR दर्ज की है। CJI गवई, वकील के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने से इनकार कर चुके हैं।

राकेश ने 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के अंदर CJI गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। जूता CJI तक नहीं पहुंच सका था। घटना के समय CJI की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। सुरक्षाकर्मियों ने वकील को पकड़कर बाहर किया। इस दौरान उसने नारे लगाए- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

पुलिस ने 3 घंटे पूछताछ के बाद वकील को छोड़ा था

जूता फेंकने वाले वकील को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट कैंपस में 3 घंटे पूछताछ की थी। पुलिस ने कहा कि SC अधिकारियों ने मामले में कोई शिकायत नहीं की। उनसे बातचीत के बाद वकील को छोड़ा गया।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने उसी दिन आरोपी वकील का लाइसेंस रद्द कर दिया था। उसका रजिस्ट्रेशन 2011 का था। इसके बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने भी आरोपी को तुरंत निलंबित कर दिया था।

'अदालत में कम बोलना चाहिए'

- **SC के पूर्व जज ने CJI बीआर गवई को बताया जूता कांड का जिम्मेदार**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई को ही जूता फेंके जाने वाली घटना का जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा है कि न्यायाधीशों को अदालत में कम बात करनी चाहिए प्रवचन नहीं देने चाहिए। 72 साल के वकील राकेश किशोर ने अदालत में ही सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। किशोर का दावा था कि वह सीजेआई की तरफ से की गई टिप्पणियों से आहत थे।

काटजू ने एक्स पर लिखा, 'मैं सीजेआई पर जूते फेंके जाने की निंदा करता हूं, लेकिन उन्होंने खजुराहो में

भगवान विष्णु की मूर्ति से जड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए खुद ही इस घटना को न्योता दिया था। उन्होंने कहा था, 'आप कहते हैं कि आप विष्णु के बहुत बड़े भक्त हैं। जाएं और जाकर देवता से कहें कि वह खुद ही कुछ करें। जाएं और प्रार्थना करें।"

उन्होंने आगे लिखा, 'ऐसी टिप्पणियों की कोई जरूरत नहीं थी, ये अनुचित थीं और गैर जरूरी थीं। इसका केस के कानूनी मुद्दों से कोई लेना देना नहीं था। जजों को कोर्ट में कम बोलना चाहिए, प्रवचन, उपदेश या व्याख्यान नहीं देने चाहिए।'

राकेश किशोर ने क्या वजह बताई
मंगलवार को किशोर ने सीजेआई गवई को लेकर कहा, 'बात यह है कि मैं बहुत ज्यादा आहत हुआ कि 16 सितंबर को चीफ जस्टिस की कोर्ट में किसी व्यक्ति ने जनहित याचिका डाली थी। तो गवई साहब ने पहले तो उसका पूरी तरह से मजाक उड़ाया। मजाक यानी यह कहा कि आप मूर्ति से प्रार्थना करो जाकर, मूर्ति से कहो जाकर कि अपना सिर खुद दोबारा बना ले।'

किशोर ने कहा, 'ठीक है उस आदमी को रिलीफ नहीं देनी थी, तो मत दीजिए, लेकिन ऐसा मजाक भी मत कीजिए उसका। फिर उससे कहा कि आप उसी मूर्ति के सामने जाकर ध्यान लगाएं। अन्याय यह किया कि उसकी याचिका को खारिज भी कर दिया। इन चीजों को लेकर आहत था।'

मायावती के बाद पार्टी का मुखिया कौन?

आकाश आनंद को लेकर समर्थकों से BSP चीफ मायावती क्या बोलीं...?

लखनऊ. कांशीराम की पुण्यतिथि पर गुरुवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की महारैली में मायावती ने इशारों-इशारों में बता दिया है कि बसपा का अगला मुखिया कोन होगा? उन्होंने समर्थकों से कहा कि जिस तरह आपने कांशीराम का साथ दिया। उनके बाद मेरा साथ दिया। उसी तरह मेरे साथ-साथ आप आकाश आनंद का भी साथ दीजिए। इस बयान के बाद सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि मायावती ने अनौपचारिक रूप से आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है।

लखनऊ में महारैली में आई भीड़ को देखकर उत्साहित पार्टी अध्यक्ष मायावती ने दावा किया कि 2027 में उनकी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में बनना तय हो गया है। मायावती ने कहा कि 2027 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी। स्मारक स्थल पर कांशीराम को श्रद्धांजलि देते हुए मायावती ने कहा कि भीड़ ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे हैं। रैली में पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और उत्तराखंड राज्यों से आए समर्थक भी शामिल हैं।

महारैली को देखते हुए पार्टी की तरफ से पांच लाख भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके लिए हर जिले से कार्यकर्ताओं व समर्थकों के आगमन को लेकर परिवहन की व्यवस्था पदाधिकारियों और नेताओं की तरफ से की गई थी। वहीं दूसरे प्रदेशों में शामिल हरियाणा, पंजाब, दल्लिी आदि राज्यों से भी पदाधिकारी व समर्थक आये थे। खचाखच भीड़ से भरे रैली स्थल को लेकर पार्टी के नेताओं का दावा है कि अपेक्षा के अनुरूप काफी संख्या में समर्थक आये हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में जब उत्तर प्रदेश में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी, तब इन जातिवादी पार्टियों के चेहरे बेनकाब हो गए। कांग्रेस, भाजपा और सपा ने मिलकर षड्यंत्र किया कि बसपा को केंद्र की सत्ता तक न पहुंचने दिया जाए। रही-सही कसर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) ने पूरी कर दी। मायावती ने आरोप लगाया कि इन दलों ने बैलेट पेपर की जगह ईवीएम का इस्तेमाल कर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया, जबकि चुनाव बैलेट पेपर से भी शांति और पारदर्शिता के साथ कराए जा सकते हैं।

चैतन्यानंद की याचिका से जज ने खुद को अलग किया

- **17 स्टूडेंट्स से छेड़छाड़ का आरोप**
- **कोर्ट ने बिना प्याज-लहसुन वाले खाने की मांग मंजूर की**

नई दिल्ली. दिल्ली में वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट (श्रीसीम) में 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती की जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी। हालांकि, सुनवाई से कुछ घंटे पहले जज ने खुद को मामले से अलग कर लिया।

चैतन्यानंद की जमानत याचिका अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अतुल अहलावत की बेंच में लिस्टेड थी। अब याचिका को दोपहर 12 बजे पटियाला हाउस कोर्ट के जिला जज के सामने सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है।

एक दिन पहले, कोर्ट ने चैतन्यानंद की बिना प्याज-लहसुन वाले खाने, चश्मा और दवाओं की सुविधा की याचिका को मंजूर करते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया था। आरोपी ने जेल में भगवा कपड़े, आध्यात्मिक किताबें और बिस्तर की मांग भी की है। कोर्ट ने इस पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है।

दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद को 27 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया था। उसे 28 सितंबर को 5 दिन की रिमांड पर लिया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने 3 अक्टूबर को उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा था। वह 17 अक्टूबर तक हिरासत में है।

जहरीला कफ सिरप बनाने वाली कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

- **एमपी SIT ने रंगनाथन को चेन्नई से पकड़ा**
- **दवा से अब तक 24 बच्चों की मौत**

भोपाल. मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई SIT की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। SIT ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उनका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था।

छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगेगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है।

उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार (8 अक्टूबर) की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड से मिली धमकी

- **डी कंपनी ने 5 करोड़ की फिरौती मांगी**
- **मैसेज में लिखा- और तरक्की होगी**

क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड गैंग की डी-कंपनी से धमकी मिली है। उनसे पांच करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी देने वाले ने मुंबई पुलिस की पूछताछ में ये खुलासा किया। आरोपी मोहम्मद दिलशाद और नवेद को वेस्टइंडीज से जुलाई 2025 में इंटरपोल ने गिरफ्तार किया था।

मुंबई क्राइम ब्रांच टीम की ओर से बताया गया- डी कंपनी ने रिंकू सिंह को फरवरी-अप्रैल 2025 के बीच तीन धमकी भरे ई मेल किए। ये मेल रिंकू की प्रचार टीम को भेजे गए थे। इधर, अलीगढ़ में SP सिटी ने कहा- रिंकू सिंह के परिवार की ओर से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

फिरौती के लिए भेजे गए 3 मेल में क्या लिखा था

1)- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवेद ने 5 फरवरी 2025 को सुबह 7.57 बजे भेजे मेल में लिखा- उम्मीद है आप ठीक होंगे। मैं आपका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे खुशी है कि आप केकेआर टीम के लिए खेल रहे हैं। रिंकू सर, मुझे उम्मीद है कि आप ऐसे ही अपनी मेहनत जारी रखेंगे। एक दिन अपने करियर के शिखर पर पहुंचेंगे। सर, आपसे गुजारिश है कि अगर मेरी आर्थिक मदद कर सकें, तो अल्लाह आपको और भी तरक्की देगा, इंशाअल्लाह।

2)- 9 अप्रैल 2025 को रात 11.56 बजे दूसरा मैसेज आया। जिसमें लिखा- मुझे 5 करोड़ रुपए चाहिए। मैं समय और जगह अरेंज करके बताऊंगा। कृपया अपनी ओर से कंफर्म करें।

3)- 20 अप्रैल 2025 को सुबह 7.41 बजे तीसरा मैसेज आया, जिसमें सिर्फ लिखा था- 'Reminder! D-Company'

पाकिस्तान का नाबालिग प्रेमी जोड़ा सीमा पार कर गुजरात पहुंचा

- **इस्लामकोट से 4 दिन पहले भागे थे**
- **कच्छ बॉर्डर के रतनपार में गांववालों ने पकड़ा**

कच्छ. गुजरात के कच्छ में एक पाकिस्तानी प्रेमी जोड़े को अवैध रूप से सीमा पार कर भारत में घुसते हुए पकड़ा गया है। यह नाबालिग जोड़ा भारतीय सीमा में 40 किलोमीटर अंदर तक आ पहुंचा था। इसी दौरान बुधवार की शाम गांववालों की इन पर नजर पड़ गई। गांववालों ने इन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

दोनों नाबालिग प्रेमी ने पूछताछ में बताया है कि पाकिस्तान के दोनों ने कबूल किया किया कि वे पाकिस्तान में इस्लामकोट के लासरी गांव के रहने वाले हैं। वे शादी करना चाहते थे, लेकिन घरवालों को उनका रिश्ता मंजूर नहीं था। इसीलिए भागकर भारत आ गए।

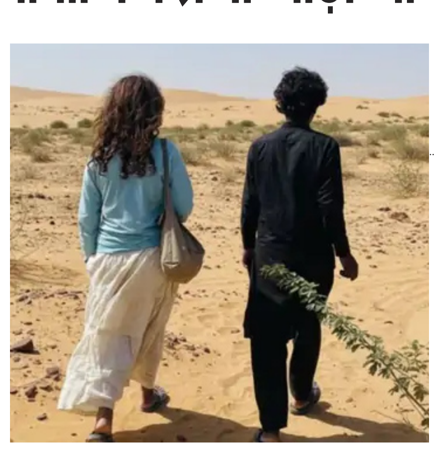

इस्लामकोट के रहने वाला है जोड़ा

कच्छ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों के पास से उनकी पहचान का कोई डॉक्यूमेंट्स नहीं मिला है। लेकिन दोनों ने पूछताछ में बताया कि वे इस्लामकोट के लासरी गांव के रहने वाले हैं। वे मंगलवार की रात गांव से भागे थे। इसके बाद रेगिस्तान पार करते हुए 60 किलोमीटर दूर भारत की सीमा में दाखिल हुए।

दोनों गुजरात के रतनपार गांव की सीमा पर संगवारी मंदिर के पास पहुंचे तो गांववालों ने इन्हें देखा। गांव के आसपास इन्हें पहले कभी नहीं देखा गया था, जिससे गांववालों को इन पर शक हुआ। उन्होंने खादिर पुलिस थाने को सूचना दी। दोनों को हिरासत में लेकर सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी दी गई।

एक टापू पर रुके, बारिश का पानी पिया

खादिर थाने के हेड कांस्टेबल अजय सिंह झाला ने बताया कि दोनों ने अपनी पहचान मीर समुदाय का होना बताया है। लड़के की 16 और लड़की की उम्र 15 साल है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे चार दिन पहले रात के करीब 12 बजे घर से भागे थे।

केदारनाथ में रिकॉर्ड 16.56 लाख श्रद्धालु पहुंचे

- **कपाट बंद होने में 14 दिन बाकी**
- **अब तक 47 लाख लोगों ने की चारधाम यात्रा**

देहरादून. केदारनाथ यात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। बुधवार तक केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 16.56 लाख पहुंच गई है, जबकि मंदिर के कपाट बंद होने में अभी 14 दिन बाकी हैं। 2025 में अकेले बुधवार को 5,614 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। मंदिर के कपाट 23 अक्टूबर को भाई दूज के दिन बंद होंगे। 2024 में पूरे यात्रा सीजन के दौरान कुल 16,52,076 श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे।

बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में भी तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। उत्तराखंड आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से जारी 8 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 मई से लेकर 7 अक्टूबर की शाम 7 बजे तक कुल 47 लाख 29 हजार 555 श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की है। 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ चार धाम यात्रा शुरू हुई।

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है।

दरअसल यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमीशन होगी।

इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला....4 पॉइंट में

कानून बनने से पहले दंपत्तियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी। इसलिए उनके पास सरोगेसी का अधिकार पहले से बना हुआ था। ऐसे में नया कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता।

सरोगेसी तब शुरू मानी जाएगी जब दंपति के गैमेट्स (स्पर्म और एग) निकाल लिए गए हों और भ्रूण तैयार कर फ्रीज कर दिया गया हो। इसके बाद दंपति का काम पूरा हो जाता है। आगे का प्रोसेस सिर्फ सरोगेट मां से संबंधित है।

कोर्ट ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि बुजुर्ग माता-पिता बच्चों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए उम्र सीमा जरूरी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन माता-पिता बनने के योग्य है और कौन नहीं।

पैरेंटिंग क्षमता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। कानून प्रजनन की स्वतंत्रता को भी मान्यता देता है। उम्र से जुड़ी चिंताएं विधायिका का विषय हैं, लेकिन पिछले मामलों पर लागू नहीं की जा सकतीं।

मूर्ति विसर्जन से लौट रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने रौंदा, दो बहनों की मौत

सुलतानपुर. यूपी के सुलतानपुर में मूर्ति विसर्जन के दौरान हादसा हो गया। देहात कोतवाली क्षेत्र के कमनगढ़ गांव स्थित बाईपास पर गुरुवार भोर में श्रद्धालु दुर्गा प्रतिमा विसर्जन मेला देखकर वापस पैदल लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल श्रद्धालुओं को कुचल दिया। जिसमें दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 6 अन्य श्रद्धालु घायल हो गए। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है।

संक्षेप...

अतिक्रमण विभाग के कर्मचारियों का हो तबादला

ठाणे. अतिक्रमण हटाने को लेकर बिल्डर से 25 लाख रुपये रिश्वत लेते मनपा उपायुक्त शंकर पटोले की रंगे हाथ गिरफ्तारी के बाद से अतिक्रमण विभाग पर उंगली उठाने लगी है. मनपा में भाजपा के गुट नेता रहे नारायण पवार ने मनपा आयुक्त को पत्र लिख कर अतिक्रमण विभाग में वर्षों से कुंडली जमाये 170 कर्मचारियों का स्थानांतरण करने की मांग की है . कहा गया है कि इन कर्मचारियों का तबादला दुसरे विभागों में हुआ था लेकिन संबंधित कर्मचारी एक महीने के भीतर ही अतिक्रमण विभाग में वापस आ गए थे.

1.14 करोड़ से ज़्यादा मूल्य के प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू उत्पादों का बड़ा जखीरा बरामद

मुंबई. तंबाकू माफिया के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, मुंबई क्राइम ब्रांच ने 1.14 करोड़ से ज़्यादा मूल्य के प्रतिबंधित गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पादों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने दो गोदामों पर छापेमारी के बाद इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, पहली छापेमारी 4 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच की यूनिट 6 द्वारा घाटकोपर में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास कामराज नगर इलाके में की गई थी। इस दौरान, पुलिस ने 26 वर्षीय फिरोज शेख नामक एक व्यक्ति को 13.44 लाख मूल्य के प्रतिबंधित गुटखे के साथ रंगे हाथों पकड़ा।

पूछताछ के दौरान, शेख ने अपने दो साथियों फैजान अंसारी (22) और नवाज अंसारी (25) के नाम बताए, जो कथित तौर पर आरिफ नाम के एक व्यक्ति को गुटखा सप्लाई कर रहे थे। तीनों के खिलाफ संबंधित कानूनों की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जाँच में शेख ने कबूल किया कि उसने ठाणे जिले से गुटखा मँगवाया था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, मुंबई और नारपोली पुलिस की एक संयुक्त टीम ने 7 अक्टूबर को ठाणे स्थित दो गोदामों पर एक साथ छापेमारी की।

इन छापों के दौरान, पुलिस ने प्रतिबंधित उत्पाद लोड करते हुए ड्राइवरों, पर्यवेक्षकों और मजदूरों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में गुटखा, चार वाहन, छह मोबाइल फोन और अन्य सामग्री जब्त की गई। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 1.14 करोड़ आंकी गई है। अब तक इस रैकेट के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और उन्हें 8 अक्टूबर को अदालत में पेश किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में मुंबई में अवैध गुटखा व्यापार के खिलाफ की गई यह सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक है। अपराध शाखा ने कहा कि इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के निर्माण, भंडारण या बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परवाना विभाग की एकल खिड़की योजना का उठाएं लाभ - मनपा आयुक्त

- **प्रशासक अनमोल सागर की लोगों से अपील**

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को आसानी से जरूरी लाइसेंस की मंजूरी सुविधा की खातिर एकल खिड़की योजना खोले जाने के आदेश मनपा परवाना विभाग को दिए हैं.उन्होंने शहरवासियों से लाइसेंसिंग सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है.

गौरतलब हो कि, भिवंडी मनपा परिसीमा अंतर्गत क्षेत्र में विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों,कारखानों, गोदामों के लिए मनपा परवाना विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र और व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है.जरूरतमंद लोगों को लाइसेंस की खातिर काफी भागदौड़ करनी पड़ती थी.लोगों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मनपा प्रशासन के निर्देश पर एकल खिड़की योजना शुरू कर मनपा उपायुक्त (लाइसेंस) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है. प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने परवाना विभाग को आदेश दिया है कि मनपा के लाइसेंसिंग विभाग प्रमुख मनपा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले तमाम व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कारखानों, गोदाम धारकों का सर्वेक्षण कर ऐसे लोगों को नोटिस जारी कर उचित कार्यवाही करें जिन्होंने अनापत्ति प्रमाणपत्र और लाइसेंस नहीं लिया है. पर्यावरण,फायर और संपत्ति कर आदि विभाग लोगों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे जिन्होंने अनापत्ति प्रमाणपत्र, लाइसेंस नहीं लिया है.परवाना विभाग में सभी प्रकार के लाइसेंस के लिए आवेदन एकल खिड़की योजना के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे. प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने अपील की है कि एकल खिड़की योजना (लाइसेंस विभाग) के माध्यम से प्राप्त विभिन्न आवेदनों को निर्धारित समय के भीतर मनपा नियमों के तहत लाइसेंस प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए.

सिविल अस्पताल में तंबाकू मुक्त युवा अभियान शुरू

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. राष्ट्रीय अभियान तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का शुभारंभ आज ठाणे में इस संदेश के साथ हुआ कि युवा तंबाकू के खिलाफ मजबूती से खड़े हों और एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण करें। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत संचालित इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को तंबाकू उत्पादों से दूर रखकर उन्हें एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ ठाणे सिविल अस्पताल में हुआ।

अभियान का उद्घाटन जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े और निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मृणाली राहुड़ के मार्गदर्शन में हुआ। ठाणे दंत शल्य चिकित्सक डॉ. अर्चना पवार भी उपस्थित थीं। इस दौरान छात्रों ने नारों, पोस्टरों और जन जागरूकता भाषणों के माध्यम से 'तंबाकू को ना कहें' का महत्वपूर्ण संदेश दिया। 'तंबाकू को नकारो, जीवन को नमस्ते कहो!' नारों से वातावरण गूंज उठा।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन सभी द्वारा ली गई 'तंबाकू विरोधी शपथ' के साथ हुआ।

इस अभियान के तहत, तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान, तंबाकू मुक्त गाँव और सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाए जाएँगे। दंत शल्य चिकित्सक डॉ. अर्चना पवार ने बताया कि सभी गतिविधियाँ एनटीसीपी एमआईएस पोर्टल पर टीएफवाईसी 3.0 में प्रतिदिन दर्ज की जाएँगी। ठाणे से शुरू हुई इस पहल का उद्देश्य पूरे महाराष्ट्र में तंबाकू मुक्त पीढ़ी का निर्माण करना है। युवाओं के दृढ़ संकल्प और स्वस्थ विचारों ने इस अभियान को नई गति दी है।

येउर वन क्षेत्र में उत्साहपूर्वक मनाया गया वन्यजीव सप्ताह

ठाणे. प्रकृति के साथ जुड़ाव को मज़बूत करने और वन्यजीवों के प्रति प्रेम, जागरूकता और ज़िम्मेदारी पैदा करने के उद्देश्य से येउर वन क्षेत्र में वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से, छात्रों से लेकर स्थानीय नागरिकों तक, सभी को प्रकृति हमारी है और हम प्रकृति के हैं का संदेश दिया गया।

यह सप्ताह संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, बोरीवली के अंतर्गत येउर वन क्षेत्र में उप निदेशक प्रदीप पाटिल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें प्रकृति के साथ जुड़ाव को मज़बूत करने और वन्यजीवों के प्रति प्रेम, जागरूकता और ज़िम्मेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ शामिल की गईं।1 अक्टूबर से शुरू हुए वन्यजीव सप्ताह के दौरान, येउर क्षेत्र के स्कूलों में प्रकृति प्रेमी छात्रों के लिए चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी कल्पना के कैनवास पर बाघों, हिरणों, पक्षियों और पेड़ों की खूबसूरत दुनिया को उकेरा। उनके चित्रों ने प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को साफ़ तौर पर दर्शाया।

किसी ने जंगल की शांत सुंदरता दिखाई, तो किसी ने रंगों के माध्यम से 'वन्यजीवों की रक्षा ही मानवता की रक्षा है' का संदेश दिया।छात्रों के लिए एक प्रकृति भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण में बच्चों ने जंगल के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव किया। पत्तों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट, हवा का झोंका और गीली मिट्टी से उठती सुगंध! इस भ्रमण ने बच्चों के मन में 'प्रकृति हमारी है और हम प्रकृति के हैं' की भावना को और मज़बूत किया। वन परिक्षेत्र अधिकारी मयूर सुरवसे ने बताया।

स गतिविधि के दौरान, छात्रों को वन्यजीवों पर एक वृत्तचित्र दिखाया गया, जिसमें विभिन्न प्रजातियों, उनकी आदतों, पर्यावरण में उनके स्थान और मनुष्यों द्वारा उन्हें पहुँचाए गए नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और 'हम क्या कर सकते हैं?' की भावना के साथ, कई बच्चों ने वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त जीवन और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। इन सभी कार्यक्रमों में वन परिक्षेत्र अधिकारी, येउर के साथ-साथ सभी वनपाल, वन रक्षक, वन श्रमिक और प्रकृति शिक्षा एवं विस्तार अधिकारी शुभम हडकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पाड़ों में भी चलाया गया अभियान

यह अभियान केवल स्कूलों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि येउर वन क्षेत्र के पाड़ों में भी चलाया गया। स्थानीय नागरिकों को वन्यजीव संरक्षण के सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के बारे में समझाया गया। प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि, हर घर हर व्यक्ति को प्रकृति का रक्षक बनना चाहिए।

-मयूर सुरवसे
(वन क्षेत्र अधिकारी, येउर)

एसएसटी कॉलेज में एनएसएस यूनिट और ठाणे ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में

विभागीय नुक्कड नाटक प्रतियोगिता का सफल आयोजन

उल्हासनगर. एसएसटी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) यूनिट और ठाणे ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में विभागीय स्तर की नुक्कड नाटक प्रतियोगिता का आयोजन उल्हासनगर कैम्प क्र. 4 स्थित एसएसटी कॉलेज के बहुउद्देशीय सभागार में बड़े उत्साह और अनुशासनपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में ठाणे विभाग के विभिन्न महाविद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक जागरूकता, ट्रैफिक नियमों का पालन तथा नशामुक्ति जैसे जनहित के विषयों पर प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. तुषार वाकसे, प्रा. सुदर्शन पाटिल और डॉ. हर्षदा देरेकर शामिल थे। मूल्यांकन के बाद एसएसटी कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान हिरानंदानी फार्मेसी कॉलेज को मिला, जबकि एस.एच.एम. कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा। वेदांता कॉलेज को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक पुलिस आयुक्त श्री किरण बालवडकर, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री राजेश शिरसाठ (उल्हासनगर ट्रैफिक विभाग) और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री अनिल पडवळ (विठ्ठलवाडी ट्रैफिक विभाग) उपस्थित थे।

एनएसएस ठाणे जिला समन्वयक प्रा. जीवन विचारे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी प्रा. मयूर माथुर, प्रा. नम्रता सिंह और प्रा. स्नेहा गुप्ता ने स्वयंसेवकों के सहयोग से सम्पूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया।

कार्यक्रम में एसएसटी कॉलेज के उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे, डॉ. संतोष करमानी, एनएसएस विभागीय समन्वयक प्रा. निरज मिश्रा तथा कनिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य श्री देविदास जलकोटे उपस्थित थे।

प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, IQAC समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी तथा ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त श्री पंकज शिरसाठ के मार्गदर्शन में यह विभागीय प्रतियोगिता सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

ठाणे मनपा लोकशाही दिवस 3 नवंबर को आयोजित होगा

- **नागरिकों से 20 अक्टूबर से पहले आवेदन जमा करने का आग्रह**

ठाणे. मनपा का अगला लोकशाही दिवस सोमवार, 3 नवंबर को आयोजित किया गया है। नागरिकों को नवंबर के लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले यानी 20 अक्टूबर से पहले अपने आवेदन और आवेदन दो प्रतियों में मनपा भवन में सुविधा केंद्र में जमा करने होंगे।आवेदन जमा करते समय आवेदक को प्रत्येक आवेदन के साथ फॉर्म-1 (बी) जमा करना होगा।

फॉर्म-1 (बी) नगरीय सुविधा केंद्र पर उपलब्ध है।महाराष्ट्र सरकार, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक प्रसुधा-1099/सीआर-23/98/18-ए, दिनांक 26 सितंबर 2012 के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया है कि दिसंबर 2012 से, नागरिकों के आवेदन लोकशाही दिवस पर स्वीकार करने के बजाय, इस आवेदन की दो प्रतियाँ लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले मनपा कार्यालय में जमा करना आवश्यक है।मुख्यालय में होने वाले इस लोकशाही दिवस में जिला लोकशाही दिवस में प्रस्तुत किए गए नागरिकों के साथ-साथ जिन अभ्यावेदनों पर 1 महीने से कोई कार्रवाई नहीं हुई है, उन्हें भी स्वीकार किया जाएगा।मनपा मुख्यालय में होने वाले लोकशाही दिवस में अभ्यावेदन प्रस्तुत करते समय जिला लोकशाही दिवस में प्राप्त टोकन क्रमांक का उल्लेख करना आवश्यक है।आवेदक को एक आवेदन में केवल एक ही शिकायत प्रस्तुत करनी चाहिए, एक से अधिक शिकायतों वाला आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रियंका चोपड़ा ने लगाई करवाचौथ की मेहंदी

- **हाथ पर लिखा निक का वो नाम जो आप भी नहीं जानते होंगे**

चोपड़ा भले ही विदेश में रह रही हैं, लेकिन दिल से पूरी देसीगर्ल हैं। यह बात वह समय-समय पर साबित करती रहती हैं। करवाचौथ से पहले उन्होंने अपने हाथों में मेहंदी लगवाई और इसमें अपने पतिदेव का नाम भी लिखवाया। इंट्रेस्टिंग बात ये है कि इस मेहंदी में निक का नाम हिंदी में लिखा है और ये वो नाम है जो कम लोग जानते हैं।

मालती के बैक हैंड पर सुंदर सा फूल और एक बटरफ्लाई बनी है।

प्रियंका के साथ मालती ने भी लगवाई मेहंदी

प्रियंका चोपड़ा फेस्टिव मोड में आ चुकी हैं। उन्होंने अपने हाथों पर करवाचौथ की मेहंदी सजाकर इसकी स्टोरी भी लगा दी है। पीसी के साथ उनकी बेटी मालती के हाथों में भी मेहंदी लगी है। उन्होंने दोनों के हाथों की प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की है। प्रियंका ने सिंपल बेल और जूलरी मिक्स मेहंदी लगवाई है। इसमें हिंदी में निकोलस लिखा है। बता दें कि उनके पति निक जोनस का नाम निकोलस जेरी जोनस है, जो कि कम लोग जानते हैं। वहीं

निक-प्रियंका हैं क्यूट कपल

प्रियंका निक के साथ मिलकर सारे भारतीय त्योहार सेलिब्रेट करती हैं। इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी डालती हैं। निक और प्रियंका को लोगों को कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में प्रियंका ने एक क्लिप पोस्ट की थी जिसमें निक उनकी चोटी कर रहे थे। इस रील को साढ़े छह लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है जिसमें कियारा आडवाणी भी हैं।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई पर पिछले दिनों अदालत कक्ष में अधिवक्ता राकेश किशोर तिवारी ने जूता फेंकने की कोशिश की. इस कृत्य को संविधान पर हमला बताते हुए आंबेडकर वादी संगठनों ने जिलाधिकारी कार्यालय स्थित बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया. आंदोलन में भदंत शीलकीर्ति, संजय मं. गो. जगदीश खैरालिया, उन्मेश बागवे, भैय्यासाहेब इंदिसे, जितेंद्रकुमार इंदिसे, संदीप खांबे, सुखदेव उबले, प्रह्लाद मगरे, कैलास हवले, प्रमोद इंगले, नंदकुमार मोरे, विमल सातपुते, सुमन इंगले, तात्याराव झेंडे, एड. गौरेश इंदिसे, मिलिंद सातदिवे सहित अन्य उपस्थित थे.

मेट्रो-बस और लोकल ट्रेनों में सफर होगा आसान

- **Mumbai One ऐप से बुक करें टिकट**

मुंबई. मुंबई वन ऐप आज से पब्लिक के लिए सार्वजनिक कर दिया गया है. यह मोबाइल ऐप यात्रियों को सिंगल QR-आधारित डिजिटल टिकट बुक करने की सुविधा देता है. जिसे मेट्रो, मोनोरेल, बसों और लोकल ट्रेनों जैसी सुविधाओं के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. बता दें कि बीते दिन यानी 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुंबई वन ऐप लॉन्च किया था.

अधिकारियों के अनुसार, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) द्वारा विकसित किया गया यह ऐप 9 अक्टूबर की सुबह 5 बजे से डाउनलोड के लिए उपलब्ध है और सुबह 8:30 बजे तक इस मोबाइल एप्लिकेशन को 500 से अधिक लोग डाउनलोड कर चुके थे. बताया जा रहा है कि अब तक हर सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटर का अपना अलग डिजिटल टिकटिंग प्लेटफॉर्म था, लेकिन 'मुंबई वन' से अब कई पेपर टिकट या अलग-अलग बुकिंग की जरूरत खत्म हो जाएगी. हालांकि, यात्रियों को इस एप्लीकेशन के माध्यम से सबअर्बन ट्रेनों के 'सीजन' या रिटर्न यात्रा टिकट बुक करने की सुविधा नहीं मिल सकेगी. पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के लिए विकसित इस डिजिटल टिकटिंग प्लेटफॉर्म की मदद से लोग यात्रा प्लान कर सकेंगे और 11 सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटरों के बीच टिकट बुक कर सकेंगे.

'मुंबईवासियों की जान से खेलने' का आरोप

- **सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कूपर अस्पताल का किया निरीक्षण**

मुंबई. विले पार्ले स्थित आर.एन. कूपर अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष और मुंबई उत्तर मध्य से सांसद वर्षा गायकवाड़ ने राज्य सरकार और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) पर तीखा हमला बोला और उन पर 'मुंबईवासियों की जान से खेलने' का आरोप लगाया। गायकवाड़ ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना सरकार और नगर निगम दोनों की नैतिक ज़िम्मेदारी है, फिर भी मुंबई के कई नगर निगम अस्पताल सुविधाओं की कमी के कारण सचमुच 'वेंटिलेटर सपोर्ट' पर हैं।

'7,000 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य बजट कहाँ जा रहा है?' 'गरीब मरीज़ परेशान हैं,' गायकवाड़ ने सवाल किया, 'बीएमसी का 7,000 करोड़ रुपये का स्वास्थ्य विभाग का बजट आख़िर कहाँ जा रहा है?'

आम सूचना

मैं श्री विनय पुरन गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, इंदिरा नगर, एमआयडीसी वॉटर टैंक के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 05एओ018144300) उक्त प्रॉपर्टी श्री अशोक पुरन गुप्ता ने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 9.10.2025 सी.नं. 3407/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विनय पुरन गुप्ता

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099